पतीव्रता नारी के साथ सुहागरात
पार्ट–2

दोस्तो मैं राज आगरा से पहले की कहानी में पार्ट – 1 में सुना चुका हूँ मुझे आपके काफी ईमेल मिले जिसके लिये मै आपका शुक्रगुजार हूँ। अब में आपको आगे की कहानी सुनाने जा रहा हूँ।

भाभी घर पर आ गई और मैंने दरवाजा बन्द कर लिया। उस दिन भाभी बहुत सुन्दर और सेक्सी लग रही थी मैं सोच नहीं पा रहा था कि कैसे शुरूआत करूं। मैंने हड़बड़ाते हुए कहा भाभी बैठ जाओ भाभी ने शर्माते हुए कहा हां बैठी हूँ। उस दिन मैं बहुत शरमा रहा था और घबरा रहा था कि भाभी इतनी लम्बी चौड़ी और बलिष्ठ गठीले बदन वाली हैं।

मै इनको कैसे चोदूं। मैंने बातो का सिलसिला शुरू करते हुए पूछा बच्चे कहा गये हैं भाभी ने कहा बच्चे स्कूल चले गये इसी बीच मैंने भाभी से कहा कि भाभी मैं घबरा रहा हूँ और मुझे शरम आ रही है भाभी ने हलकी से मुस्कराहट के साथ बोली कि शरम तो मुझे आनी चाहिये मैंने कहा कि आप को तो अनुभव है कि ऐसे समय में कैसे शुरूआत होती है। भाभी बोली कि अगर तुम्हें शरम आ रही है तो ऐसा करो कि मेरी आंखों पर पट्टी बांध दो तो मुझे कुछ भी दिखाई नहीं देगा। फिर तुम्हें आसानी होगी। मैंने कहा ठीक है और मैंने उनकी आंखों पर पट्टी बांध दी। इससे मुझे कुछ शरम कम हो गई थी अब क्या था भाभी मेरे सामने थी और सोफे पर बैठी थी। मैंने सबसे पहले हिम्मत करके भाभी की साडी उनके आंचल पर से हटा दी और कुछ देर तक उनके ब्लाउज में उभरे हुए बूब्स को देखता रहा उनके बूब्स इतने बड़े थे कि मैं उनको देखकर मुझसे रहा नहीं जा रहा था मन करता था कि कब इन्हें अपने हाथों से छू मेने मन आ रहा था कि अभी भाभी का ब्लाउज तार तार कर दूं और इन पर टूट पडूं। लेकिन मैंने सोचा कि संयम से काम लेना चाहिये और फिर मैंने भाभी का हाथ पकड़कर उठा कर ले गया और बेड पर लिटा दिया बेड पर लेटी भाभी को देखकर मेरा लण्ड तन गया और मेरे शरीर में एक लहर सी दौड़ गई और मुझे ऐसा लग रहा था कि ये कोई सपना और मैं हवा में उड़ रहा हूँ मैंने उनके ब्लाउज के हुक खोल दिये उनके दोनो बूब्स को अपने मुंह में ले लिया और अपनी जीभ से उनके निप्पल को सहलाने लगा। भाभी सी सी कर रही थी। फिर कभी उन्हें मुँह में लेता कभी अपनी गालों से लगाता तो कभी अपनी सीने से लगाता था मन कर रहा था।

फिर मैंने भाभी के पेट को व उनकी टुण्डी को चूमा इतने में भाभी ने आहें भरना शुरू कर दिया उसके बाद और नीचे आया तो उनकी चूत से मुलाकात हुई जो उभरी हुई थी लेकिन अभी वो परदे में थी मैंने भी मन में सोचा कि और कितनी देर तक परदे मे रहोगी। फिर मैं उनकी जाघों से होते हुए उनके पैर तक आ गया और

फिर मैंने उनकी साड़ी में घुसना शुरू कर दिया और धीरे धीरे ऊपर जाने लगा अन्दर अन्धेरा था कुछ भी दिख नहीं रहा था चूत तक पहुँचने के बाद मैंने साड़ी को ऊपर कर दिया उनकी दोनो जांघे बलिष्ठ थी और उनके बीच में उनकी चूत ऐसा लगता था कि छुपने की कोशिश कर रही हो मैंने प्यार से उस पर हाथ फिराया और उनकी दोनो टांगों को चौड़ा कर ऊपर उठा दिया जैसे ही टांगे चौड़ी उनकी चूत का दाना बाहर निकल आया फिर मैंने उस दाने को मुँह में लेकर जीभ से चूसने लगा।

भाभी मुँह से सी सीससससससससससससससससससससस करने लगी और उन्हें फुरफुती आने लगी भाभी पूरी तरह से मस्ती पकड़ चुकी थी और सातवें आसमान पर पहुँच चुकी थी। उनसे रहा नहीं जा रहा था भाभी मेरे लण्ड को भींच कर पकड़ लिया था चूँकि हम लोग 69 के ऐंगिल में थे तभी भाभी ने जोश में आकर मेरा लण्ड पैन्ट से चैन खोलकर जबरदस्ती बाहर निकाल लिया और मेरे लण्ड के सुपाड़े को अपने मुँह में ले लिया और उसे लॉलीपॉप की तरह चूसने लगी ऐसा लग रहा था कि उसे आज ही पूरा चूस लेगी। इधर में भी उनके दाने को चूस रहा था। उनके हिप्स काफी बड़े थे मेरे हाथों में नहीं आ रहे थे लेकिन फिर भी मैं उन्हें बराबर अपने बाहों में समेटने की कोशिश कर रहा कभी कभी मैं उनके दोनो हिप्स के बीच में उंगली भी डाल दिया करता था। इससे मुझे बहुत मजा आ रहा था। उसके बाद भाभी ने कहा कि राज अब नहीं रहा जा रहा तुम मेरे ऊपर आ जाओ मैंने कहा ठीक है और मैं भाभी के ऊपर आ गया और उनकी चूत में अपने तने हुए लण्ड को डाल दिया जैसे ही लण्ड भाभी के चूत के अन्दर गया भाभी की चीख निकल गई और वो दर्द से सिसकारी लेने लगे फिर धीरे धीरे धक्का लगाना शुरू किया और और पता नहीं कब धक्कों की स्पीड तेज हो गई भाभी अब मस्त हो चुकी थी और एक बार झड़ चुकी थीं।

फिर कुछ देर बाद भाभी बोली राज अब मैं तुम्हारे ऊपर आ जाती है फिर मैं लेट गया भाभी मेरे ऊपर आ गई अब भाभी धक्का लगाने लगी और मैं उनके दोनो हिप्सों को हाथ में लेने की कोशिश कर रहा था हम दोनो बुरी तरह की आवाजें निकाल रहे थे। कुछ देर बाद मेरे लण्ड से फौव्वारा छूट गया और उसी गुनगुने अहसास के बाद भाभी भी दूसरी बार झड़ गई उसके बाद भाभी ने तुरन्त मेरे लण्ड को अपने मुँह में ले लिया और उसे कुछ देर तक चूसती रही। उसके बाद से भाभी मेरी दीवानी हो चुकी थी। उसके बाद हम लोग एक दूसरे के बहुत करीब आ चुके थे आज जब मैं घर में अकेला होता हूँ तो मौका देखकर भाभी को बुला लेता हूँ और दोनो मजे से चुदाई करते हैं आज तक हमारा यह खेल राज बना हुआ है।

आपको मेरी कहानी कैसी लगी प्लीज मुझे ई मेल जरूर करें मै आपसे वादा करता हूँ कि मै आपको भविष्य में भी इसी प्रकार की रोंमाच पैदा वाली कहानियां सुनाउंगा। यदि कोई भाभी आन्टी मुझसे इसी प्रकार की सहायता (चुदाई सम्बन्धी) चाहती है तो मुझसे सम्पर्क कर सकती है मै इस बात को राज ही रखूंगा। शायद इसी

लिये सेक्सी आंटी/लडकिया मुझे राज कहती है। मेरा ईमेल जैसा कि आप लोग जानते है। pawan172@gmail.com

आपका का अपना

भरोसेमन्द
साथी